M. P. Power Trading Co. Limited
Shakti Bhawan, Vidyut Nagar, Jabalpur 482008
Off ph: - 0761-2660909 Fax: - 0761-2664749 website: - www.mptradeco.com

क्रमांक एमडी/एम.पी. ट्रेडको/1076 जबलपुर, दिनांक 30–09–2009

i l foKfIr

विषयः '' अक्टूबर 2009 में प्रदेश में विद्युत आपूर्ति की स्थिति ''

——

इस वर्ष प्रदेश में मानसून कमजोर रहने एवं औसत से कम वर्षा होने के कारण प्रदेश के अधिकांश जल विद्युत संयंत्र से जुड़े जलाशय भर नहीं पाए हैं। 30 सितम्बर 2009 की स्थिति में गांधी सागर जलाशय लगभग 39 फीट खाली रह गया है। बाण सागर जलाशय लगभग 11 मीटर, बरगी जलाशय लगभग 6.3 मीटर, पेंच जलाशय लगभग 3 मीटर एवं मड़ीखेडा जलाशय 20 मीटर से भी अधिक खाली है। प्रदेश के सबसे बड़े जल विद्युत संयंत्र से सम्बद्ध इंदिरा सागर जलाशय भी अपनी पूर्ण क्षमता से 2.7 मीटर कम भरा है। इससे प्रदेश की जल विद्युत उत्पादन क्षमता बुरी तरह प्रभावित हुई है एवं आने वाले महिनों में अपेक्षा से कम जल विद्युत उत्पादन प्रदेश को उपलब्ध हो पायेगा। रबी सीजन प्रारम्भ होने जा रहा है, इसको ध्यान में रखते हुए प्रदेश की विद्युत उत्पादन कम्पनी ने अपनी सभी ताप विद्युत यूनिटों का रख–रखाव हर हाल में 31 अक्टूबर 2009 तक पूर्ण कर लेने की योजना बनाई है। सिर्फ अमरकंटक ताप विद्युत गृह की 120 मेगावाट की दो इकाईयां में से एक बारी–बारी से आधुनिकीकरण एवं नवीनीकरण हेतु दिनांक 31 मार्च 2010 तक बन्द रहेगी।

आगामी अक्टूबर माह में विद्युत की औसत मांग रात्रि में लगभग 5500 मेगावाट, दिन में 5100 मेगावाट एवं शाम को 6100 मेगावाट के स्तर पर रहने की संभावना है जो कि गत वर्ष की तुलना में लगभग 10 प्रतिशत अधिक है। जब कि विद्युत की कुल औसत उपलब्धता गत वर्ष के स्तर पर ही रहने की संभावना है, जिसका मुख्य कारण जल विद्युत उत्पादन में अप्रत्याशित कमी होना है। इस वर्ष अक्टूबर माह में मांग

एवं उपलब्धता का अंतर लगभग 1000 मेगावाट अर्थात् 18 से 20 प्रतिशत के बीच अनुमानित है।

अनुमानित मांग एवं उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए प्रदेश की विद्युत वितरण कम्पनियों का भरपूर प्रयास रहेगा कि प्रदेश के सभी सम्माननीय उपभोक्ताओं की आवश्यकता को ध्यान में रखकर बड़े शहरों में औसतन 22 घण्टे, जिला मुख्यालय में 19 घण्टे, तहसील मुख्यालय में 14 घण्टे एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 12 घण्टे विद्युत प्रदाय सुनिश्चित किया जा सके। हालांकि स्थानीय स्तर पर विद्युत आपूर्ति में कुछ अंतर रह सकता है। विद्युत वितरण कम्पनयिों का यह भी प्रयास रहेगा कि सिंचाई हेतु कम से कम 8 से 9 घण्टे तीन फेज पर विद्युत उपलब्ध करायी जावे। यह भी प्रयास रहेगा कि अघोषित विद्युत कटौती यथासम्भव न हो।

विद्युत की कमी सिर्फ हमारे प्रदेश में ही नहीं वरन् देश के लगभग हर राज्य में अनुभव की जा रही हैं। इस वर्ष देश में वर्षा औसत से कम रिकार्ड की गयी है, जिसके कारण देश में अतिरिक्त विद्युत की उपलबधता नगण्य रहेगी और जो भी उपलब्ध रहेगी उसका मूल्य उच्चतम स्तर पर (रू. 7–8 प्रति यूनिट के आसपास) रहने की आशंका है। कुछ राज्यों से वापसी पर विद्युत प्राप्त करने का प्रयास भी किया जा रहा है।

प्रदेश के सभी सम्माननीय उपभोक्ताओं से अनुरोध है कि स्थिति की गम्भीरता को ध्यान में रख विद्युत की खपत में मितव्ययिता बरते एवं विद्युत वितरण प्रणाली से जुडे अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सुचारू रूप से विद्युत व्यवस्था बनाये रखने में मदद करें। उपभोक्ताओं से यह भी अनुरोध है कि वे न सिर्फ विद्युत बिलों का भुगतान समय पर करें बल्कि विद्युत के अवैधानिक उपयोग अथवा दुरूपयोग की सूचना विद्युत वितरण कम्पनियों को तत्काल दें ताकि ईमानदार उपभोक्ताओं को अच्छी सेवायें प्रदान करने में मदद मिले।

(पी. के. वैश्य)
प्रबंध संचालक
एमपी पॉवर ट्रेडिंग कम्पनी लिमिटेड